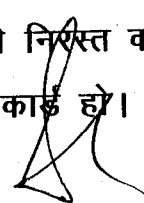




राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर  
आदेश पृष्ठ  
भाग - अ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 1233-दो/2006

जिला रीवा

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
16-03-2017	<p>उभय पक्ष के विद्वान अभिभाषकों द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया।</p> <p>2/ प्रकरण का अवलोकन किया। अपर आयुक्त ने अपने आदेश में स्पष्ट निष्कर्ष निकाला है कि आवेदक द्वारा मृतक ददोली को पक्षकार बनाकर आदेश पारित कराया है। मृत व्यक्ति को न तो पक्षकार बनाया जा सकता है और न ही उसके विरुद्ध कोई आदेश पारित किया जा सकता है। अनावेदक के पक्ष में दिनांक 10-12-98 को नामांतरण आदेश पारित किया गया था। इसके बाद अनावेदक भूमिस्वामी के रूप में दखल में है। यदि आवेदक उक्त भूमि ने संबंध में नामांतरण आवेदन किया था तो उसे अनावेदक को पक्षकार बनाकर आवेदन प्रस्तुत करना चाहिए था। तहसीलदार द्वारा संहिता की धारा 109/110 का पूर्णरूप से पालन किये बिना त्रुटिपूर्ण आदेश पारित किया जिसे अनुविभागीय अधिकारी ने निरस्त करने में उचित कार्यवाही की है। अपर आयुक्त द्वारा भी अनुविभागीय अधिकारी को सही पाते हुये अपील निरस्त की है। अपर आयुक्त द्वारा पारित आदेश दिनांक 17-4-2006 में कोई अवैधानिकता अथवा अनियमितता प्रकट नहीं होती है। फलस्वरूप यह निगरानी आधारहीन होने से निरस्त की जाती है। पक्षकार सूचित हो। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p> <p style="text-align: right;"> (एस0एस0 अली) सदस्य</p>	